जोहानस गुटनबर्ग

(1400 -1468)

पहला छापाखाना

जब जोहानस माइन्ज़, जर्मनी में बड़ा हो रहा था उस समय कोई भी उसे कहानी पढ़कर नहीं सुना सकता था, क्योंकि उस समय पढ़ने के लिए किताबें ही नहीं थीं!

जोहानस ने सिर्फ एक ही किताब देखी थी - बाइबिल. वो स्थानीय मठ में, भिक्षुओं को बाइबिल की हाथ से नक़ल उतारते हुए देखता था. उस समय छपाई, लकड़ी के ब्लॉक्स से होती थी जो बहुत ही धीमी गति थी.

बड़े होने पर जोहानस ने सुनार की ट्रेनिंग ली. वो एक टकसाल में काम करता और सोने के सिक्के ढालता था.

जब वो सिक्के ढाल रहा था तो उसके दिमाग में अलग-अलग अक्षरों को ढालने का विचार आया.

परन्तु छपाई के औज़ार, धातु और स्याही बहुत महंगी थी.

तीन रईसों ने, जोहानस को पैसे उधार दिए.

फिर उनमें से एक मर गया. बाकी ने जोहानस के काम को चोरी करने की कोशिश की.

जोहानस को अपना प्रयोग त्यागना पड़ा.

फिर वकील जोहन फस्ट ने, जोहानस को दुबारा काम शुरू करने के लिए क़र्ज़ दिया.

1450 तक जोहानस ने सारे अक्षर ढाल लिए थे और एक प्रिंटिंग प्रेस बनाया था.

पर तभी फस्ट ने सूद के साथ अपना क़र्ज़ वापिस माँगा!

गरीब जोहानस ने सब पूँजी, प्रेस बनाने में लगा दी थी.

जोहानस को मज़बूरी में, अपना प्रिंटिंग प्रेस फस्ट को देना पड़ा.

यह रही स्याही, मिस्टर गुटनबर्ग!
अब मुझे पढ़ना सीखना होगा, मिस्टर गुटनबर्ग!
जिल्द के पन्ने
यह मेरी बाइबिल है!!
अक्षर जोड़ने का फरमा
METAL LETTERS
LETTERS
अंगूर और जैतून का तेल निकालने वाला प्रेस
पर अब कहानियां हरेक के पास होंगी.
खिंचा हुआ चर्मपत्र
क्या आप मुझे एक कहानी पढ़ेंगे?

अंत में जोहानस अपने बचपन के सपने को साकार कर पाया. उसने 1456 में, फस्ट के यहाँ नौकरी की और अपनी पहली बाइबिल छापी. जबकि मठ में एक भिक्षु को बाइबिल की नक़ल बनाने में तीस साल लगते वहां एक साल में जोहानस ने बाइबिल की 300 प्रतियां छापीं! 1500 तक पूरे यूरोप में सभी जगह प्रिंटर्स फ़ैल गए और उन्होंने 30,000 पुस्तकें छापी. उसके कारण ही ज्ञान की रोशनी बहुत तेज़ी से फैली.